वरुण गांधी को भाजपा ने रायबरेली से चुनाव लड़ने का ऑफर दिया था

नई दिल्ली, 26 अप्रेल। भाजपा ने पीलीभीत से मौजूदा सांसद वरुण गांधी का टिकट काटकर योगी के मंत्री जितिन प्रसाद को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, रायबरेली सीट पर प्रियंका गांधी वाड्रा के चुनाव लड़ने की अटकलें तेज हैं।

पर गांधी बनाम गांधी कराना चाह रही थी, लेकिन वरुण गांधी ने पार्टी के ऑफर को ठुकरा दिया है। विचार करने के बाद वरुण गांधी ने इनकार किया

वरुण गांधी के करीबी सूत्रों ने बताया कि भाजपा ने उन्हें रायबरेली लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने का ऑफर दिया था, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया है। सूत्रों ने दावा किया है कि वरुण गांधी ने एक सप्ताह तक इस पर विचार करने के बाद आखिर में रायबरेली से चुनाव लड़ने के ऑफर को इनकार कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा नेतृत्व की ओर से वरुण गांधी से संपर्क किया गया और उन्हें रायबरेली सीट से चुनाव लड़ने का ऑफर दिया। इस पर वरुण गांधी ने विचार करने के लिए समय मांगा। हाल ही में वरुण गांधी ने रायबरेली से चुनाव लड़ने का ऑफर को इनकार कर दिया।

सूत्रों के अनुसार, आंतरिक सर्वे में दिनेश सिंह, ब्रजेश पाठक, विनय कटियार जैसे संभावित प्रत्याशियों पर पार्टी के पक्ष में नहीं आते हुए दिखाई दिए। जिसके बाद वरुण गांधी को रायबरेली सीट से लड़ने के लिए कहा गया था।

'कार्यकर्ता की मेहनत ही उसकी पहचान'

जयपुर, 26 अप्रैल (का.सं.)। लोकसभा चुनाव के द्वितीय चरण का मतदान संपन्न होने के बाद आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में चुनाव प्रबंधन टीम का स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश भाजपा की चुनाव प्रबंधन में लगी टीम और प्रत्येक कर्मचारी का तहे दिल से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

भाजपा चुनाव प्रबंधन स्नेह मिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता की मेहनत एवं परिश्रम परिणाम को परिवर्तित करने वाला है। मेहनत तो आप जहां भी करते हैं वह परिणाम देती है। कार्यकर्ता की मेहनत ही उसकी पहचान है, हम सभी सौभाग्यशाली हैं जो विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक दल में काम करने का मौका मिला।

- **भाजपा प्रदेश मुख्यालय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, हम सभी सौभाग्यशाली हैं, जिन्हें विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक दल भाजपा में काम करने का मौका मिला।**

बालेन्दु और...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शिकायत पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और सीकर जिले के श्रीमाधोपुर से कांग्रेस उम्मीदवार रहे दीपेंद्र सिंह शेखावत के पुत्र तथा प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव बालेन्दु सिंह शेखावत को पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है। इसी के साथ शिव से पूर्व विधायक अमीन खान को भी बाड़मेर जैसलमेर से कांग्रेस लोकसभा उम्मीदवार उम्मेदाराम बेनीवाल की शिकायत के बाद पार्टी ने निष्कासित कर दिया है।

जोधपुर में कांग्रेस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुरू हुआ। सुबह से ही मतदान केंद्र पर मतदाताओं की लंबी कतार नजर आ रही थी। ग्रामीण क्षेत्रों में भी मतदान को लेकर खासा उत्साह देखा गया। लोग परिवार सहित वोट डालने के लिए पहुंचे। दोपहर के समय तेज धूप के बावजूद बड़ी संख्या में मतदाता वोट डालने आए।

जोधपुर में एक ही परिवार की पांच पीढ़ियों के 50 से अधिक लोग सज धज कर वोट करने पहुंचे। पुरुषों ने राजस्थानी साफा पहन रखा था तो महिलाएं चूंदड़ी की लाल साड़ी में नज़र आईं। सरदारपुरा विधानसभा के बूथ पर वोट देने आया एक युवक अचानक बेहोश हो गया। वहां मौजूद लोगों ने उसे गोद में उठाया और हॉस्पिटल ले गए।

दोपहर एक बजे तक फलोदी में 40 प्रतिशत, लोहावट में 39.61, जोधपुर में 38.18, शेरगढ़ में 39.28, सरदारपुरा में 40.01, सूरसागर0 में 44.01, लूणी में 35.48 और पोकरण में 43.62 प्रतिशत मतदान हुआ। शाम पांच बजे तक फलोदी में 65.06, लोहावट में 57.02, जोधपुर में 58.84, शेरगढ़ में 29.28, सरदारपुरा में 58.84, सूरसागर में 63.19, लूणी में 55.07 और पोकरण 64.23 प्रतिशत रिकॉर्ड किया गया।

गौरतलब है कि जोधपुर की लोकसभा सीट के अंतर्गत 8 विधानसभाएं आती हैं। इसमें फलोदी, लोहावट, जोधपुर, शेरगढ़, सरदारपुरा, सूरसागर, लूणी और पोकरण हैं। लोकसभा चुनावों में लिए जोधपुर में कुल 2 हजार 134 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें 2 हजार 56 मतदान केंद्र तथा 78 सहायक मतदान केंद्र हैं। निर्वाचन आयोग ने मतदान केंद्रों पर वोटर्स के लिए बूथ पर लगी लाइन देखने के लिए ऑनलाइन सुविधा भी दी।

जोधपुर लोकसभा सीट पर कुल 21 लाख 32 हजार 713 मतदाता हैं। इनमें पुरुष मतदाता 11 लाख 15 हजार 681, महिला मतदाता 10 लाख 16 हजार 985 तथा थर्ड जेंडर मतदाता 47 हैं।

तृणमूल और कांग्रेस में तुष्टिकरण की होड़

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अप्रेल। प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल के मालदा में शुक्रवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) और कांग्रेस के बीच तुष्टीकरण की प्रतिस्पर्धा चल रही है।

एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि टी.एम.सी. बांग्लादेशी घुसपैठियों को बंगाल में बसा रही है। ये घुसपैठिये लोगों की ज़मीन और खेतों पर कब्जे करते हैं, जबकि कांग्रेस अपने इस प्रकार के वोट बैंकों में सम्पत्तियों का बंटवारा करती है। उन्होंने कहा कि इन दोनों पार्टियों को एकजुट रखने वाला सबसे बड़ा चुम्बकीय आकर्षण है तुष्टीकरण के प्रति इनकी प्रतिबद्धता। ये पार्टियां राष्ट्रहित में लिए गए केन्द्र सरकार के निर्णयों को भी पलटने का इरादा रखती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि "मां, माटी और मानुष" के नारे के दम पर सत्ता में आई तृणमूल ने बंगाल की महिलाओं को धोखा दिया है। भाजपा सरकार ने जब मुस्लिम महिलाओं को अत्याचारों से बचाने के लिए "तीन तलाक" का उन्मूलन किया था, तब तृणमूल ने उसका विरोध किया था। संदेशखाली में महिलाओं पर असंख्य अत्याचार किए गए, फिर भी टी.एम.सी. सरकार ने मुख्य आरोपी को अंत तक बचाए रखा।"

- **प्रधानमंत्री मोदी ने प. बंगाल के माल्दा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि, दोनों दल बांग्लादेशी घुसपैठियों का समर्थन करते हैं।**

दूसरे चरण में देश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पड़े, जबकि केरल में 65.28 प्रतिशत राजस्थान में भी मतदान का प्रतिशत 63.74 रहा। त्रिपुरा में सर्वाधिक 78.63 प्रतिशत मतदान हुआ। मणिपुर में 77.18 प्रतिशत हुआ।

'नोटा को बहुमत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत में, यदि कोई वोटर किसी चुनाव में खड़े हुए किसी भी प्रत्याशी को अपना समर्थन नहीं देना चाहता है तो उसके पास वोटिंग मशीन में मौजूद "नोटा" का बटन दबाने का विकल्प होता है। यह विकल्प वोटर को यह अधिकार देता है कि वह चाहे तो इलैक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ई.वी. एम.) पर लिस्टेड सभी उम्मीदवारों को रिजेक्ट कर सकता है।

शीर्ष अदालत ने शुक्रवार प्रातः उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें मांग की गई थी कि ई.वी.एम. पर डाले गए सभी वोटों का वोटर वैरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वी.वी.पी.ए.टी.) स्लिप से मिलान किया जाए। कोर्ट ने कहा कि "सिस्टम के किस पहलू पर बिना किसी वजह के अविश्वास जताना अनुचित संदेह पैदा कर सकता है।

जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की एक बेंच ने यह कहते हुए कि "लोकतंत्र का उद्देश्य सभी संस्थानों के बीच विश्वास और सद्भाव बढ़ाना है, दो समरूप फैसले दिए और इस संबंध में दायर सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। इन याचिकाओं में वह याचिका भी शामिल है, जिसमें चुनाव की बैलट पेपर पद्धति पर लौटने की मांग की गई थी।

कोर्ट के ये निर्णय देश में चल रहे लोकसभा चुनाव के बीच आए हैं। चुनाव सात चरणों में होंगे। इसका पहला चरण गत 19 अप्रेल को था और अंतिम चरण 1 जून को होगा। वोटों की गिनती 4 जून को होगी।

बाड़मेर में प्रत्याशियों के समर्थकों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मतदान बाधित हुआ था जिसे पुनः चालू करवा दिया गया।

इस बीच कांग्रेस नेता एवं बायतु विधायक हरीश चौधरी ने भी मतदान में फर्जीवाड़े और प्रशासन पर हठधर्मिता का आरोप लगाते हुए कहा कि बाड़मेर में आई.जी. के सामने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट हुई। उन्होंने शिव विधानसभा के थुंबली बूथ पर मतदाताओं और पोलिंग एजेंटो के साथ मारपीट का आरोप भी लगाया। इसको लेकर वे निर्वाचन अधिकारी के चैम्बर में धरने पर बैठ गए। अधिकारियों के समझाने के बाद हरीश चौधरी ने कुछ देर बाद धरना खत्म किया। पुलिस ने ट्वीट कर बताया कि थुंबली प्रकरण में प्रार्थी और प्रार्थिया की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है।

निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी ने आरोप लगाया कि "हरीश चौधरी ने थुंबली जाकर बहुत बड़ा बवंडर खड़ा करने की कोशिश की पर सफल नहीं हुए। जनता सब जानती है। उन्होंने कहा कि चौधरी ने प्रशासन का ध्यान भटकाने के लिए यह पूरी योजना बनाई ताकि फर्ज़ी मतदान किया जा सके। भाटी ने कहा कि हरीश चौधरी न तो प्रत्याशी हैं और न ही पोलिंग एजेंट तो फिर वह किस हैसियत से अलग -अलग जगहों पर घूम रहे थे।" भाटी ने यह आरोप लगाया कि बायतु में उनके एजेंटो को पोलिंग बूथों से बाहर निकाला गया और वोटिंग मशीन पर उनके नाम पर पट्टी लगाई गई। भाटी ने पुलिस पर भी मिली भगत का आरोप लगाया। भाटी ने प्रवासी मतदाताओं की गाड़ियां रोकी जाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा प्रशासन जानबूझकर धीमी वोटिंग करवा रहा है। कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल ने भी थुंबली, मारूडी, कोलू, अकदड़ा आदि जगहों पर छिटपुट घटनाओं का जिक्र करते हुए शांति की अपील की।

दोपहर करीब 3 बजे जिले की शिव विधानसभा में निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी और कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल के समर्थक आपस में भिड़ गए। सूचना मिलने पर आई.जी. विकास कुमार और बायतु विधायक हरीश चौधरी मौके पर पहुंचे। इस दौरान आधे घंटे तक वोटिंग बंद रही। झड़प के दौरान बीच बचाव में शिव थानाधिकारी सुमेर सिंह के नाक पर चोट आई। बायतू विधायक हरीश चौधरी ने कांग्रेस के पोलिंग एजेंटों के साथ मारपीट करने व इस पर कोई कार्यवाही नहीं करने का आरोप लगाया। एक अन्य घटना में बाड़मेर जिले के सदर थाना इलाके महाबार गांव के सोलंकियों की ढाणी में दो पक्षों के बीच कहासुनी हुई और फिर लड़ाई हो गई, जिसमें दो युवक घायल हो गए। घटना स्थल पर बाड़मेर एस.पी. मौके पर पहुंचे। एस.पी. नरेंद्रसिंह मीणा ने बताया कि, इस प्रकरण में दो जने गिरफ्तार किए गए हैं। वहीं दो घायलों को हॉस्पिटल भेज दिया है।

बाड़मेर -जैसलमेर सीट पर मुकाबला त्रिकोणीय है। भाजपा के कैलाश चौधरी, कांग्रेस के उम्मेदाराम के साथ निर्दलीय रविंद्र भाटी भी मैदान में हैं। वोटिंग को लेकर लोकसभा क्षेत्र में सुबह से बुजुर्गों और युवा वोटर्स में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। बूथ पर एंट्री के समय बुजुर्ग, युवा और महिलाएं उत्सुक नजर आए। सुबह मॉक पोल के बाद 7 बजे वोटिंग शुरू की गई।

भाजपा प्रत्याशी कैलाश चौधरी ने बालोतरा शहर के समदड़ी रोड स्थित बूथ पर प्रातः जल्दी मतदान किया। वहीं कांग्रेस उम्मीदवार उम्मेदाराम बेनीवाल और निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी ने भी अपने -अपने बूथों पर अपने मत का प्रयोग किया। बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट पर करीब 22 लाख, 6 हजार, 237 मतदाता हैं, जो 11 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र में बाड़मेर, जैसलमेर, बालोतरा जिले के 8 विधानसभा क्षेत्र हैं, जिसमें गत 4 माह में करीब 38 हजार 606 नए मतदाता जुड़े हैं।

दूसरे चरण में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुप्ता ने बताया कि, इन 13 निर्वाचन क्षेत्रों में अंतरिम रूप से 64.60 प्रतिशत मतदान हुआ है। हालांकि वर्ष 2019 में इन क्षेत्रों में 68.42 प्रतिशत मतदान हुआ था। कोटा और बाड़मेर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में वर्ष 2019 के मुकाबले मतदान प्रतिशत बढ़ा है। कोटा में वर्ष 2019 में 70.22 प्रतिशत था, इस बार यह आंकड़ा 71.42 प्रतिशत हो गया है। बाड़मेर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में वर्ष 2019 में 73.30 प्रतिशत मतदान हुआ था, इस वर्ष इस क्षेत्र में 74.25 प्रतिशत मतदान हुआ है। दूसरे चरण वाले 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से वर्ष 2019 में सर्वाधिक 73.13 फीसदी मतदान बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र और सबसे कम 62.31 प्रतिशत मतदान पाली लोकसभा क्षेत्र में हुआ था। अंतरिम आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष सर्वाधिक 74.25 प्रतिशत मतदान बाड़मेर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हुआ है। साथ ही, बागीदौरा विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव में ई.वी.एम. से करीब 77 प्रतिशत मतदान हुआ है।

'मत पत्रों (बैलेट पेपर) को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ई.वी.एम. से छुटकारा पाना चाहते हैं.....आज सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए एक मजबूत फैसला दिया है कि कागज के मतपत्र से वोट देने वाली पुरानी मतदान प्रणाली अब वापस लागू नहीं होगी।" एक बहुत ही सख्त टिप्पणी में, सुप्रीम कोर्ट ने एसोसिएशन ऑफ डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की साख पर भी सवाल खड़ा किया। न्यायाधीश दिपांकर दत्ता ने अपनी टिप्पणी में कहा, "कुछ निजी स्वार्थ वाले समूहों में एक प्रवृत्ति द्रुतगति से विकसित हो रही है कि वे देश की उपलब्धियों एवं कौशलदक्षता को कमतर आंकने का प्रयास कर रहे हैं।"

न्यायाधीश दत्ता ने यह भी कहा कि, "ऐसा प्रतीत होता है कि इस महान राष्ट्र की प्रगति को हर संभव मोर्चे पर बदनाम करने, धूमिल करने एवं कमजोर करने का सम्मिलित प्रयास किया जा रहा है। ऐसे किसी भी तरह के प्रयास अथवा कोशिश को शुरू में ही रोकना होगा।'

इंडिया ब्लॉक पर अपना हमला जारी रखते हुए, प्रधानमंत्री ने प्रहार करते हुए कहा कि, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से "उन लोगों को गहरा आघात लगा है जिनका इरादा मतपेटियों को लूटने का था इस फैसले ने उनके इस सपने को मटियामेट कर दिया।"

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि "लोकतंत्र की ताकत और डॉ. अम्बेडकर के संविधान की ताकत को देखा जा सकता है, आज राजनीति में दो मुख्य विचारधाराएं हैं। एक विचारधारा भाजपा के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. की है जो भारत की जनता को सशक्त बनाना चाहती है दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन की है जो जनता की सम्पत्ति को जब्त करके अपनी जेबें भरना चाहती है" मोदी ने कांग्रेस नेताओं पर वार करते हुए सेम पित्रोदा की उस टिप्पणी का हवाला दिया कि माता-पिता से बच्चों को मिलने वाली विरासत में सम्पत्ति पर कर लगाने की नीति "रोचक" प्रतीत होती है। मोदी की वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल पर कथित टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी से यह पूछना चाहता है कि क्या भाजपा नेता एल.के. अडवाणी ने भाजपा नेता जी.वी.एल. नरसिम्हा राव द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन करके गलत किया था जिसमें ई.वी.एम. की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़ा किया था। प्रधानमंत्री ने इस विषय का मजाक बनाकर अपने आपको सीमित कर लिया है, खेड़ा ने इस ओर इशारा करते हुए कहा कि अडवाणी ने पुरजोर तरीक से ई.वी.एम. का विरोध किया था। राव ने वर्ष 2019 में, डैमोक्रेसी एट रिस्क ! केन वी ट्रस्ट अवर इलैक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन्स? शीर्षक से पुस्तक प्रकाशित की थी। उस समय यूनाइटेड प्रोग्रेसिव एलायन्स (यू.पी.ए.) सरकार केन्द्र में सत्ता में थी। यहां यह याद दिलाना उचित होगा कि उस समय भाजपा नेताओं सहित गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी ई.वी.एम. का विरोध किया था उस समय भाजपा दल विपक्ष में था।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600